प्रारुप–33

परियोजना का नामः– जनपद पौडी गढवाल के विकासखण्ड क्षेत्र थैलीसैण में चेरी बंगला मथी गांव मोटर मार्ग का निर्माण कार्य।(4.00किमी0)

भू–वैज्ञानिक की आख्या

(प्रस्तावित स्थल की भू–वैज्ञानिक द्वारा निर्गत अद्यतन निरीक्षण आख्या प्राप्त कर संलग्न की जाय।):–
संलग्न है।

ह0/–
(भू–वैज्ञानिक)
नाम व मुहर सहित

सहायक अभियन्ता (I)
निर्माण खण्ड लो०नि०वि०
पावौ पौड़ी (गढ़वाल)

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो०नि०वि०

जनपद पौड़ी गढ़वाल में चैरी बंगला–मत्थीगांव मोटर मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1. निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, पाबो के अन्तर्गत 4.00 किमी0 लम्बाई में **चैरी बंगला–मत्थीगांव** मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, पाबौं के अनुरोध पर प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 05.01.2015 को सम्बन्धित सहायक अभियन्ता श्री सीताराम डोभाल के साथ निरीक्षण किया गया।

2. राज्य योजना के अन्तर्गत **चैरी बंगला–मत्थीगांव** मोटर मार्ग को 4.00 किमी0 लम्बाई में प्रथम चरण का निर्माण कार्य स्वीकृत है। निरीक्षण के समय अवगत कराया गया कि मार्ग के निर्माण हेतु पूर्व में एक समरेखण निर्धारित किया था, जो वर्ष 2009 में सम्बन्धित अधीक्षण अभियन्ता के द्वारा भी अनुमोदित हो चुका था। उस समरेखण पर बांज के वृक्ष अधिक आने के कारण उक्त समरेखण पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के द्वारा निरस्त कर दिया गया था। प्रश्नगत गांव को संयोजनकता प्रदान किये जाने हेतु सम्बन्धित खण्ड के द्वारा पुनः दो समरेखणों पर प्रारम्भिक सर्वेक्षण किया गया है। दोनों समरेखणों के गुण–दोष एवं स्थानीय ग्रामवासियों की सहमति को ध्यान में रखते हुये निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, पाबों के द्वारा समरेखण संख्या एक के अनुसार मार्ग के निर्माण का प्रस्ताव है। प्रस्तावित समरेखण खिर्सू–मोल्खाखाल आदिबद्री मोटर मार्ग के किमी0 12 से खड्ड साइड में आरम्भ होता है तथा स्वीकृत 4.00 किमी0 लम्बाई पूर्ण कर समाप्त होता है। अवगत कराया गया कि समरेखण सिविल वन भूमि एवं नाप भूमि से होकर गुजरता है। समरेखण क्षेत्र में भूमि का ढलान सामान्वतः 25^0 से 45^0 के मध्य प्रतीत होता है, जो कहीं–कहीं चट्टानी भाग में अधिक भी हो सकता है। समरेखण कुल सात हेयर पिन बैण्ड्स दिये गये है, जो प्रथम दृष्टया अधिक प्रतीत होता है। अवगत कराया गया कि प्रभावित होने वाले वृक्षों की संख्या को कम रखे जाने हेतु ऐसा किया गया है। प्रथम दो बैण्ड्स कुछ पास–पास है जबकि शेष बैण्ड्स दूरी लिये हुये है। समरेखण क्षेत्र में मुख्यतः क्वाईजाईट तथा फिलाईट चट्टान दृष्टि गोचर है तथा स्थान–स्थान पर इनके ऊपर ओवरबर्डन है।

Photo copy Attested

सहायक अभियन्ता (1)
निर्माण खण्ड लोनिवि
पाबौ पौड़ी (गढ़वाल)

3. समरेखण क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू-आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे है, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(क) यथासम्भव मार्ग की पूरी चौड़ाई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य में मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जहां रिटेनिंग दीवार का निर्माण अपरिहार्य हो वहां इनका निर्माण फर्म स्ट्रेटा पर समुचित परिकल्पना के आधार पर कराया जाये।

(ख) मार्ग के आरम्भ में टेक ऑफ प्वाइन्ट कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाया जाये।

(ग) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखण में प्रस्तावित हेयर पिन बैड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाये जाये।

(घ) तीव्र ढलान में मार्ग की एक से अधिक आर्म्स की स्थिति को avoid किया जाना चाहिये।

(ड) समरेखण के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुये बिना विस्फोटको का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जाये।

(च) समरेखण में अपेक्षाकृत तीव्र पहाड़ी ढलान वाले भाग में सावधानीपूर्वक मार्ग कटान किया जाये जिससे कोई अस्थिरता उत्पन्न न हो।

(छ) जहां मार्ग कटान की ऊँचाई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, विशेष रूप से बैण्ड्स पर मार्ग कटान के साथ-साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जाये।

(ज) जहां आवश्यक हो, मार्ग से ऊपर व नीचे पहाड़ी ढलान पर समुचित पौधों का रोपण किया जाये जिससे ढलानों पर भूक्षरण की प्रक्रिया को नियंत्रित रखा जा सके।

(झ) वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतु रोड साइड ड्रेन एवं स्कपर का प्रावधान किया जायें। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि स्कपर के पानी से भूक्षरण न हो।

Photo copy Attested

(ञ) पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिये निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानकों एवं विशिष्टियां का भी पालन किया जाये।

4. मार्ग के नवनिर्माण विषयक स्थायित्व सम्बन्धी बिन्दु :-

सहायक अभियन्ता (I)
निर्माण खण्ड लो०नि०वि०
पावौ पौड़ी (गढ़वाल)

मार्ग कटान के पश्चात हिल साइड में जिस स्थान पर over burden material होगा तथा पहाड़ी ढलान slope forming material के angle of repose से अधिक होगा उस भाग में वर्षाकाल में पहाड़ी ढलान के अस्थिर होने की सम्भावना हो सकती है।

H.K

5. **चैरी बंगला–मत्थीगांव** मोटर मार्ग के निर्माण हेतु 4.00 किमी0 लम्बाई का प्रस्तावित समरेखण वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लिये उपर्युक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

टिप्पणी :–

भूमि हस्तातरण की दृष्टि से समरेखण क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एवं खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात की स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है। समरेखण/मार्ग पर किसी विशिष्ट बिन्दु पर यदि सुझाव की आवश्यकता हो तो उसे अलग से अवगत कराया जाये।

पौड़ी

Photo copy Attested

सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो
पावौ पौड़ी

H. Kumar
6.1.15
(हर्ष कुमार)
वरि0 भूवैज्ञानिक (से0नि0)
लोक निर्माण विभाग